हुक्म या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज

25/11/17

पत्रावली पेश हुई। वकलाय उप.
अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी
दौरे पर/ अन्य कार्य में व्यस्त।
पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा
दिनांक 17-1-18 को पेश हो

17-1-18

पत्रावली पेश हुई। वकील
प्रार्थी/ वादी/ समय [illegible]
पत्रावली पूर्व आदेशानुसार दि० 31-1-18
को पेश हो

31-1-18

पत्रावली पेश हुई। वकलाय उप.
अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी
~~दौरे पर~~/ अन्य कार्य में व्यस्त।
पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा
दिनांक 7-2-18 को पेश हो.

7.2.18

~~पत्रावली पेश हुई। वकलाय उप.~~
~~अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी~~
~~दौरे पर/ अन्य कार्य में व्यस्त।~~
~~पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा~~
~~दिनांक 9.2.18 को पेश हो~~

7.2.18

पत्रावली पेश हुई। वकील
प्रार्थी/ वादी/ समय [illegible]
पत्रावली पूर्व आदेशानुसार दि० 9.2.18
को पेश हो

12/07/18

हड़ताल पैरवी से पृथक

पत्रावली पेश हुई। वकलाय उप.
अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी
दौरे पर/ अन्य कार्य में व्यस्त।
पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा
दिनांक 23/08/18 को पेश हो

23/08/18

पत्रावली पेश हुई। वकलाय उप.
अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी
दौरे पर/ अन्य कार्य में व्यस्त।
पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा
दिनांक 06/09/18 को पेश हो

Scanned by CamScanner

तारीख हुक्म	
13/09/18	पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उप. ~~अनुपस्थित~~/ पीठासीन अधिकारी ~~दौरे पर~~/ अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आइन्दा दिनांक 01/11/18 को पेश हो
01/11/18	पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उप. ~~अनुप~~/ पीठासीन अधिकारी ~~दौरे प~~/ अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आइन्दा दिनांक 17/01/19 को पेश हो
17/01/19	पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उप. ~~अनुपस्थित~~/ पीठासीन अधिकारी ~~दौरे पर~~/ अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आइन्दा दिनांक 25/04/19 को पेश हो
25/04/19	पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उप. ~~अनुपस्थित~~/ पीठासीन अधिकारी ~~दौरे पर~~/ अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आइन्दा दिनांक 08/08/19 को पेश हो
08/08/19	पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उप. ~~अनुपस्थित~~/ पीठासीन अधिकारी ~~दौरे पर~~/ अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा दिनांक 10/10/19 को पेश हो।
10/10/19	पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उप०। हस्तगत प्रकरण से संबंधित मूल वादपत्र माननीय न्यायालय राजस्व मण्डल राजस्थान अजमेर में गया हुआ है। अतः मूल वादपत्र के लौटने पर प्रा० पत्र पुनः पेश करने की इजाजत देते हुए प्रा० पत्र खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो तथा बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो। निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया गया।